Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

ई-पाठशाला कार्यक्रम

Class 9th Geography

अपवाह

SURFACE RUNOFF



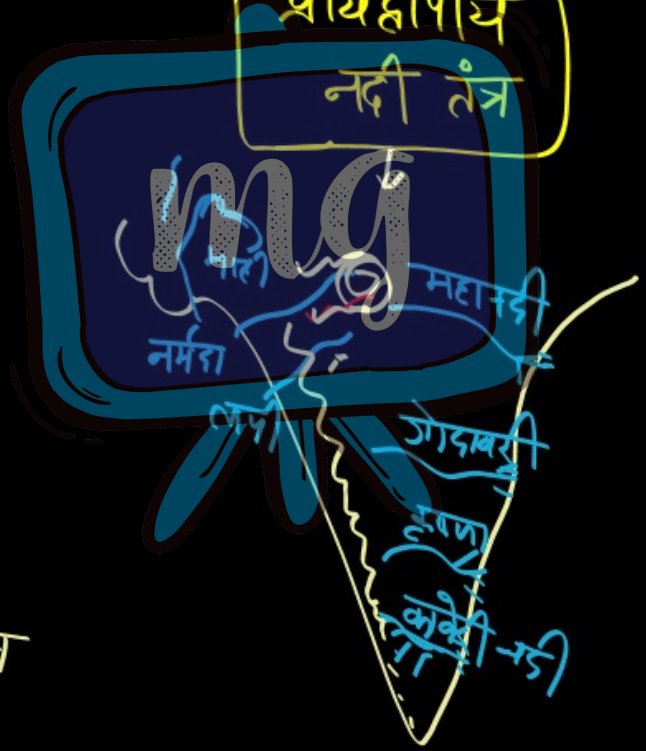
RAPID REVISION

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत का अपवाह क्षेत्र

- हिमालयी नदी तंत्र
  - सिंधु नदी तंत्र
  - गंगा नदी तंत्र
  - ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र
- प्रायद्वीपीय नदी तंत्र



- अपवाह
- अपवाह तंत्र
- नदी द्रोणी, जल संभर
- जल विभाजक

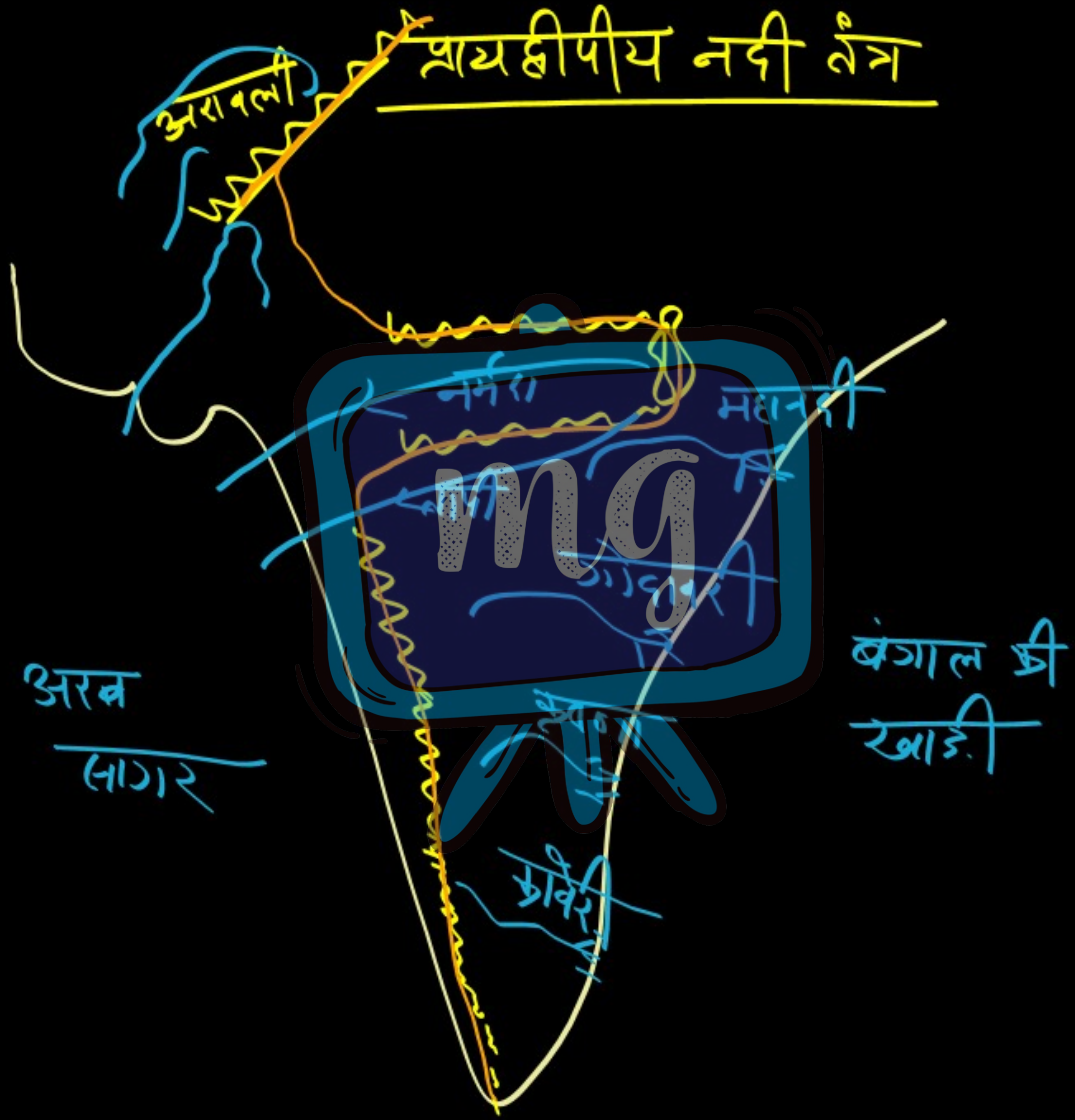
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

Q.1 वूलर झील किस राज्य/केंद्रशासित प्रदेश में स्थित है?

A राजस्थान

B पंजाब

C उत्तर प्रदेश

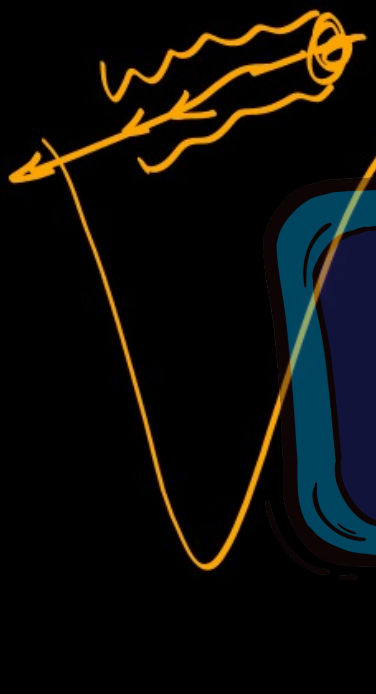
D जम्मू-कश्मीर

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Q.2 नर्मदा नदी का उद्गम कहाँ से होता है?

A सतपुड़ा

B अमरकंटक

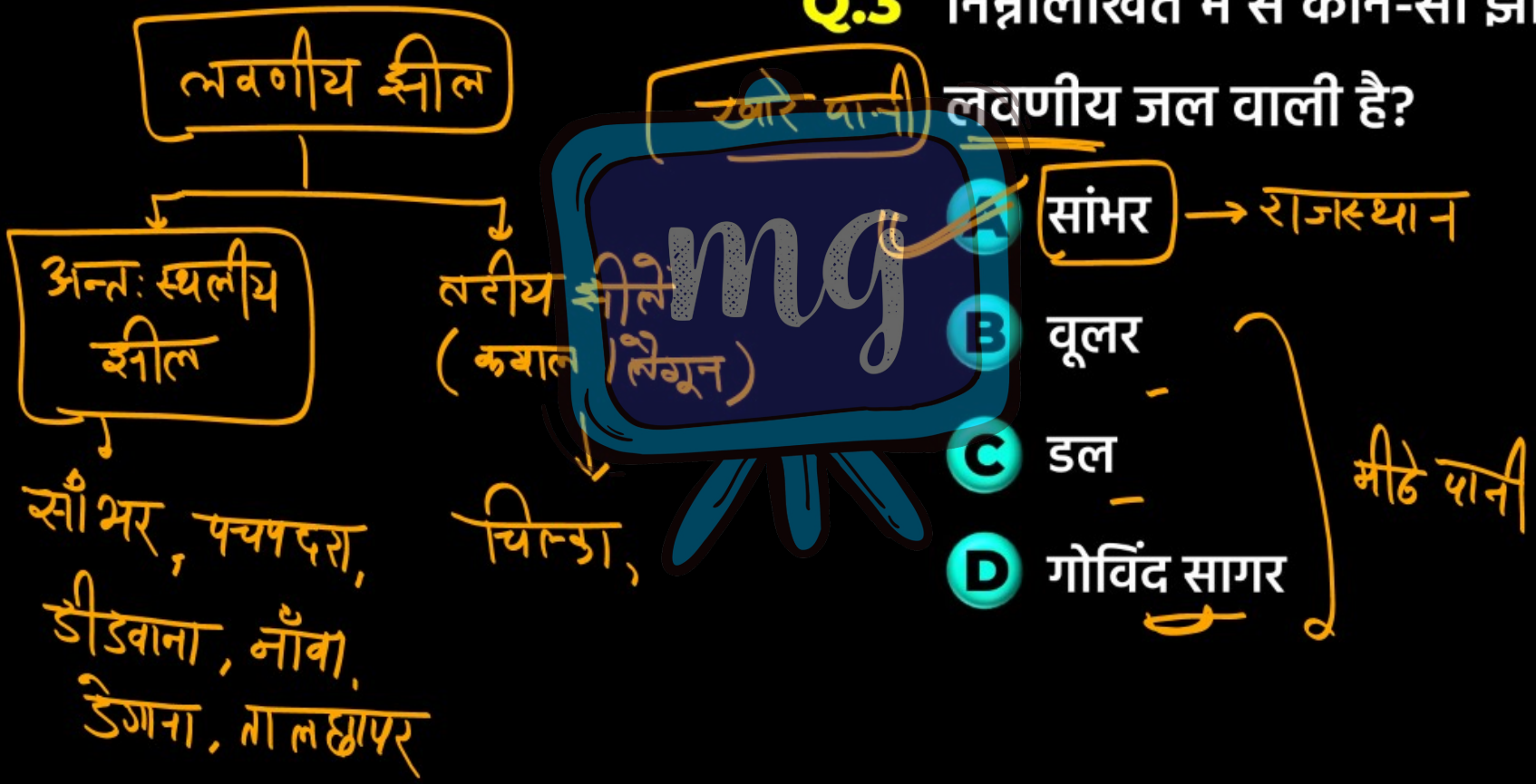
C ब्रह्मगिरि

D पश्चिमी घाट की ढाल

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Q.3 निम्नलिखित में से कौन-सी झील लवणीय जल वाली है?

A. सांभर → राजस्थान
B. वूलर
C. डल
D. गोविंद सागर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.4 प्रायद्वीपीय भारत की सबसे बड़ी नदी कौन-सी है?



A. नर्मदा

B. गोदावरी = 1500 km लम्बाई
दक्षिण गंगा

C. कृष्णा

D. महानदी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.5 निम्नलिखित में से कौन-सी नदी भ्रंश घाटी से होकर बहती है?



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

अपवाह

रिक्तस्थान-

Q.1 विश्व की सबसे बड़ी अपवाह द्रोणी .....अमेज़न..... नदी की है।

विश्व की सबसे लम्बी नदी → नील नदी → अफ्रीका

गंगा नदी द्रोणी → भारत की सबसे बड़ी अपवाह द्रोणी

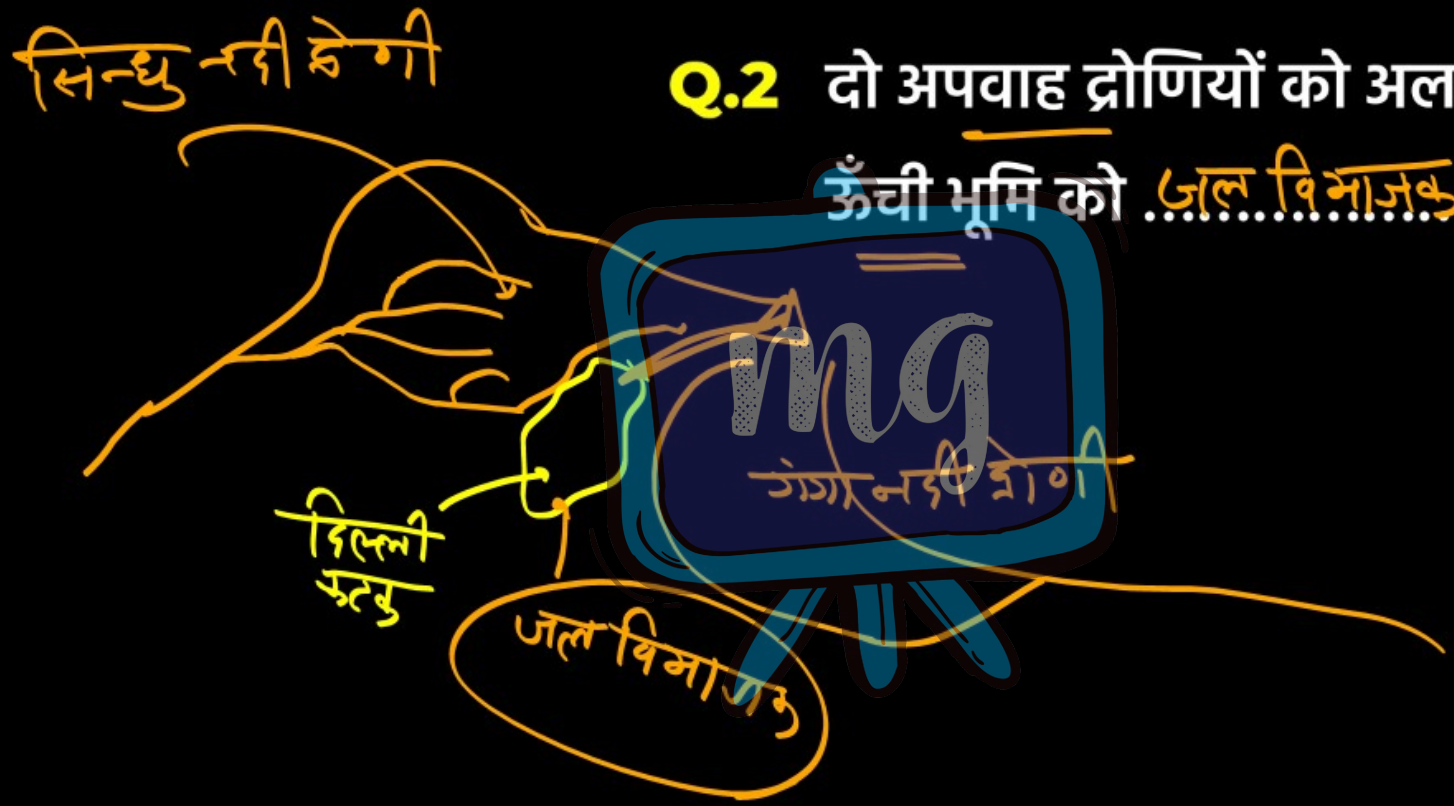
अमेज़न → दक्षिण अमेरिका महाद्वीप

mg

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Q.2 दो अपवाह द्रोणियों को अलग करने वाली ऊँची भूमि को ...जल विभाजक... कहते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 नदी तथा उसकी सहायक नदियों के समूह को नदी तंत्र..... कहा जाता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.4 नदी के मुहाने पर निक्षेप से बनने वाली स्थलाकृति को डेल्टा..... कहते हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अपवाह

संगमरमर चट्टाने

Q.5 नर्मदा नदी के तीव्र ढाल वाले प्रवाह से जबलपुर के निकट धुँआधार..... जलप्रपात बनता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

अतिलघुउत्तरीय प्रश्न-

Q.1 अपवाह द्रोणी से क्या तात्पर्य है?



missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

Q.1 अपवाह द्रोणी से क्या तात्पर्य है?



उत्तर :

किसी नदी तंत्र द्वारा जिस क्षेत्र का जल प्रवाहित किया जाता है, उसे अपवाह द्रोणी कहते हैं।

इसकी सीमाएँ आसपास की ऊँची स्थलाकृतियों से निर्धारित होती हैं।

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by ipca Foundation

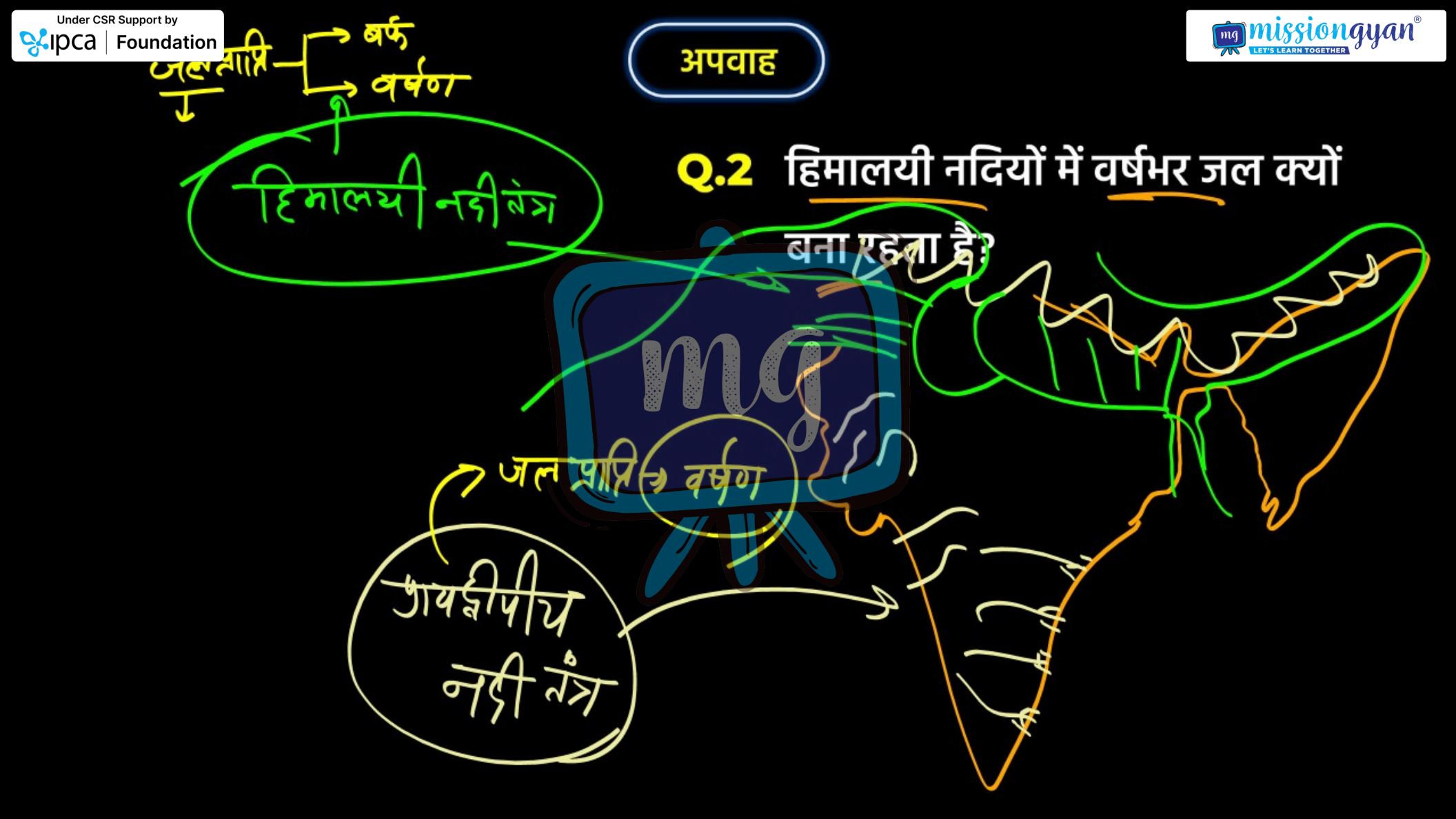
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

जल प्राप्ति → बर्फ, वर्षण

हिमालयी नदी तंत्र

अपवाह

Q.2 हिमालयी नदियों में वर्षभर जल क्यों बना रहता है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

Q.2 हिमालयी नदियों में वर्षभर जल क्यों बना रहता है?

उत्तर :

- हिमालयी नदियों को वर्षा के अतिरिक्त ऊँचे पर्वतों पर जमी बर्फ के पिघलने से भी पानी मिलता है।
- इसलिए उनका प्रवाह वर्षभर बना रहता है।

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 नदियों के ऊपरी भाग में अपरदन का क्या प्रभाव पड़ता है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 नदियों के ऊपरी भाग में अपरदन का क्या प्रभाव पड़ता है?



उत्तर :

ऊपरी भाग में नदियों का ढाल तीव्र होता है।

लम्बवत अपरदन

वे भूमि का तेजी से अपरदन करती हैं और अपने साथ बड़ी मात्रा में तलछट नीचे की ओर ले जाती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.4 ब्रह्मपुत्र नदी में तिब्बत के क्षेत्र में गाद कम क्यों होती है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.4 ब्रह्मपुत्र नदी में तिब्बत के क्षेत्र में गाद कम क्यों होती है?

उत्तर :

- तिब्बत ठंडा और शुष्क क्षेत्र है।
- वहाँ वर्षा कम होने के कारण नदी में जल तथा गाद की मात्रा अपेक्षाकृत कम रहती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.5 नदियाँ कृषि योग्य भूमि के निर्माण में कैसे सहायक हैं?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.5 नदियाँ कृषि योग्य भूमि के निर्माण में कैसे सहायक हैं?

उत्तर :

जलोढ़

नदियाँ अपने साथ मिट्टी और तलछट बहाकर लाती हैं।

बाढ़ के समय इनके निक्षेप से मैदानों में उपजाऊ मिट्टी फैलती है, जो कृषि के लिए उपयोगी होती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.6 झीलों का निर्माण किन प्राकृतिक प्रक्रियाओं से होता है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.6 झीलों का निर्माण किन प्राकृतिक प्रक्रियाओं से होता है?



उत्तर :

झीलें हिमनदों, बर्फ की चादरों, भूगर्भीय क्रियाओं, वायु तथा नदियों द्वारा निर्मित स्थलरूपों में जल जमा होने से बन सकती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 हिमालयी और प्रायद्वीपीय नदियों में प्रमुख अंतर स्पष्ट कीजिए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अपवाह

Q.1 हिमालयी और प्रायद्वीपीय नदियों में प्रमुख अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

हिमालयी नदियाँ सामान्यतः बारहमासी होती हैं, क्योंकि उन्हें वर्षा के साथ हिमपात के पिघलने से भी जल मिलता है। वे लंबी दूरी तय करती हैं और अपने ऊपरी भाग में तीव्र अपरदन करती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अपवाह

- इसके विपरीत, प्रायद्वीपीय नदियों का प्रवाह मुख्यतः वर्षा पर निर्भर करता है। शुष्क मौसम में उनका जल कम हो सकता है। इनकी लंबाई अपेक्षाकृत कम तथा घाटियाँ सामान्यतः उथली होती हैं। प्रायद्वीपीय नदियों का प्रवाह क्षेत्र की स्थलाकृति से प्रभावित होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 झीलों का मानव जीवन में क्या महत्त्व है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

Q.2 झीलों का मानव जीवन में क्या महत्त्व है?

उत्तर :

झीलें अनेक प्रकार से उपयोगी हैं। वे नदी के प्रवाह को नियमित करने में सहायता करती हैं और अत्यधिक वर्षा के समय बाढ़ के प्रभाव को कम कर सकती हैं।

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अपवाह

- शुष्क मौसम में वे जल प्रवाह को संतुलित करने में सहायक होती हैं।
- झीलों का उपयोग जलविद्युत उत्पादन में भी किया जा सकता है।
- वे आसपास की जलवायु को संतुलित करती हैं, जलीय पारितंत्र को बनाए रखती हैं तथा पर्यटन, नौकायन और मनोरंजन को बढ़ावा देती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 नदी प्रदूषण के प्रमुख कारण और उसके प्रभाव बताइए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अपवाह

Q.3 नदी प्रदूषण के प्रमुख कारण और उसके प्रभाव बताइए।

उत्तर :

- घरेलू उपयोग, उद्योगों और कृषि के लिए नदियों से बढ़ती जल माँग उनके जल की गुणवत्ता को प्रभावित करती है।
- औद्योगिक प्रदूषक और अपरिष्कृत कचरा नदियों में मिलने से जल दूषित होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अपवाह

- इससे नदी की प्राकृतिक स्वच्छीकरण क्षमता भी प्रभावित हो सकती है।
- बढ़ते औद्योगीकरण और शहरीकरण के कारण कई नदियों में प्रदूषण की समस्या गंभीर होती जा रही है।
- नदी के प्रदूषित जल का प्रभाव मानव स्वास्थ्य तथा जलीय पर्यावरण पर पड़ता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.4 प्रायद्वीपीय पठार की पूर्व की ओर और पश्चिम की ओर बहने वाली नदियों की तुलना कीजिए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अपवाह

Q.4 प्रायद्वीपीय पठार की पूर्व की ओर और पश्चिम की ओर बहने वाली नदियों की तुलना कीजिए।

उत्तर :

प्रायद्वीपीय पठार की अधिकांश प्रमुख नदियाँ पूर्व की ओर बहती हैं और बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अपवाह

- ये अपने मुहानों पर डेल्टा बनाती हैं। इसके विपरीत, पश्चिमी घाट से पश्चिम की ओर बहने वाली अनेक नदियाँ छोटी होती हैं, क्योंकि अरब सागर और पश्चिमी घाट के बीच का तटीय मैदान संकरा है।
- नर्मदा और ताप्ती प्रमुख पश्चिमवाहिनी नदियाँ हैं। ये भ्रंश घाटियों से होकर बहती हैं और मुहाने पर ज्वारनदमुख बनाती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.5 गंगा नदी तंत्र के मैदानों में बाढ़ के क्या प्रभाव पड़ते हैं?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

Q.5 गंगा नदी तंत्र के मैदानों में बाढ़ के क्या प्रभाव पड़ते हैं?

उत्तर :

गंगा नदी तंत्र की नदियाँ पर्वतीय क्षेत्रों से निकलकर मैदानों में प्रवेश करती हैं। अपने साथ लाई गई मिट्टी और तलछट के निक्षेप से वे उपजाऊ कृषि भूमि का निर्माण करती हैं।

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- दूसरी ओर, वर्षा ऋतु में जलस्तर बढ़ने से मैदानों के कुछ भागों में बाढ़ आती है।
- इससे जनजीवन और संपत्ति को नुकसान हो सकता है।
- इस प्रकार नदियों की बाढ़ विनाशकारी होने के साथ-साथ मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में भी योगदान देती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.6 राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना का उद्देश्य क्या है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q.6 राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना का उद्देश्य क्या है?

उत्तर :

- देश में नदी सफाई कार्यक्रम की शुरुआत गंगा एक्शन प्लान के साथ हुई।
- बाद में राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना के अंतर्गत अन्य नदियों को भी शामिल किया गया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अपवाह

- इस योजना का मुख्य उद्देश्य नदियों के जल में प्रदूषण कम करना तथा जल की गुणवत्ता में सुधार करना है।
- नदियाँ देश में जल का प्रमुख स्त्रोत हैं, इसलिए उनके संरक्षण के लिए प्रदूषण नियंत्रण और जल गुणवत्ता में सुधार आवश्यक है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

निबन्धात्मक प्रश्न

Q.1 भारत की नदियों का आर्थिक महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अपवाह

Q.1 भारत की नदियों का आर्थिक महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

- नदियाँ मानव इतिहास और अर्थव्यवस्था में अत्यंत महत्त्वपूर्ण रही हैं।
- नदी का जल एक प्रमुख प्राकृतिक संसाधन है। मानव जीवन, कृषि तथा विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के लिए इसकी आवश्यकता होती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

- नदियों के किनारे प्राचीन काल से बस्तियाँ विकसित होती रही हैं, क्योंकि यहाँ जल की उपलब्धता तथा आजीविका के अवसर मिलते हैं।
- समय के साथ अनेक बस्तियाँ बड़े नगरों में परिवर्तित हो गईं।

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अपवाह

- भारत जैसे देश में नदियों का महत्त्व विशेष रूप से अधिक है, जहाँ बड़ी आबादी की आजीविका कृषि पर निर्भर है। सिंचाई के लिए नदी का जल उपयोगी है। इससे फसलों की आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायता मिलती है और कृषि उत्पादन को बनाए रखने में योगदान मिलता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अपवाह

- नदियों का उपयोग नौसंचालन में भी किया जाता है।
- जलमार्ग परिवहन का साधन उपलब्ध कराते हैं और विभिन्न स्थानों के बीच संपर्क स्थापित करने में सहायक होते हैं।
- नदियों पर बाँध बनाकर जलविद्युत का उत्पादन भी किया जा सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अपवाह

- इस प्रकार नदी जल ऊर्जा उत्पादन में योगदान देता है।
- नदियाँ अपने साथ लाई गई मिट्टी के निक्षेप से उपजाऊ मैदानों का निर्माण करती हैं।
- ये मैदान कृषि के लिए उपयोगी होते हैं।

इसके अतिरिक्त, नदियों और उनसे संबंधित जल निकायों का प्राकृतिक सौंदर्य पर्यटन को बढ़ावा देता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

- हालाँकि, घरेलू, औद्योगिक और कृषि संबंधी गतिविधियों से नदियों पर दबाव भी बढ़ता है।
- प्रदूषण उनकी जल गुणवत्ता तथा प्राकृतिक स्वच्छीकरण क्षमता को प्रभावित करता है।

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अपवाह

- इसलिए नदियों के आर्थिक लाभों को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए उनका संरक्षण, जल गुणवत्ता में सुधार और प्रदूषण पर नियंत्रण आवश्यक है।



missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

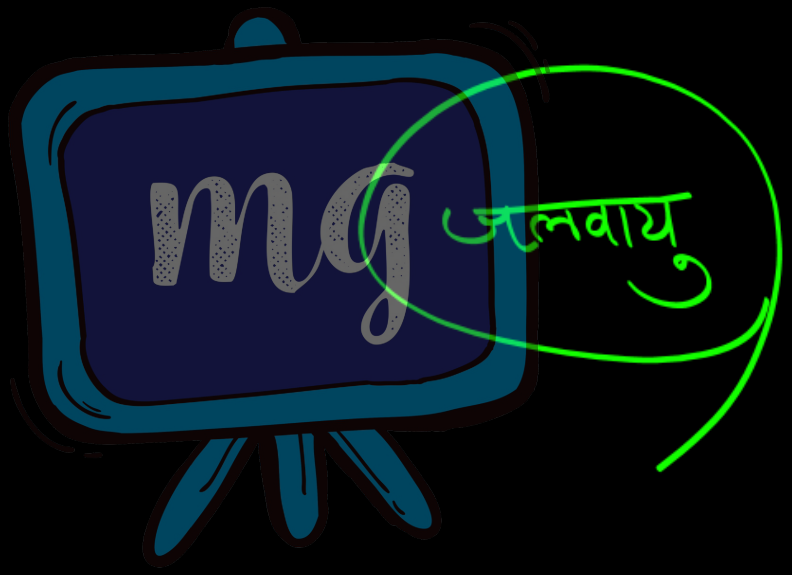
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

